न्यायालय उपखण्ड अधिकारी केकडी जिला अजमेर

राजस्व वाद 24 / 2021 (2021 / 00)

जगदीश पुत्र बाबूलाल जाट निवासी जवाहर नगर कोटा .

1. जगदीश पुत्र बाबूलाल जाट निवासी ... नि.कायमपुरा ... तह.अजमेर जिला अजमेर प्रार्थीगण
2. धनराज पुत्र सत्यनारायण कोली . नि.कायमपुरा ... तह.अजमेर जिला अजमेर

दोनो बहैसियत पार्टनर हिमालय ग्रेनाईट एकलसिंहा ग्राम एकलसिंहा तह.केकडी जिला अजमेर

——प्रार्थीगण

◆ बनाम ◆

1- श्रीमति बदाम पत्नि द्वारका प्रसाद साहु
2- काना पुत्र रामधन जाट
3- गोपाल पुत्र जगदीश जाट
4- गोपी पुत्री जगदीश
5- देवकरण पुत्र रामधन जाट
6- नारायण पुत्र जगदीश जाट
7- प्रभू पुत्र जगदीश
8- बनवारी पुत्र जगदीश
9- बरजी पत्नि रामधन
10- बरदी पत्नि रामकरण जाट
11- रामफूल पुत्री जगदीश जाट
12- लाडा पुत्री रामधन जाट
13- शंकरलाल पुत्र जगदीश जाट
14- श्रवण पुत्र रामधन जाट
15- सप्यार पत्नि जगदीश जाट
16- सांवरा पुत्र जगदीश जाट
17- हीरा पुत्र रामकरण जाट

तमाम निवासीगण एकलसिहां तह.केकडी जिला अजमेर

18.राज.सरकार जरिये तहसीलदार केकडी जिला अजमेर

—— अप्रार्थीगण

उपखण्ड अधिकारी केकडी जिला अजमेर

प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 251 क की उपधारा 1 राज.काश्तकारी अधिनियम

—:: आदेश ::—

दिनांक 25.10.2021

पत्रावली प्रशासन गांवों के संग 2021 केम्प लसाडिया केम्प के दौरान प्रस्तुत की गई । संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 क की उपधारा 1 राज.काश्तकारी अधिनियम के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम एकलसिहा की जमाबन्दी संवत 2070–73 के खाता स. नया–पुराना 208–145 ख.न. 425,426,427,428,431 रकबा कमशः 0.11,0.13,0.13,0.14,0.48 है. प्रार्थीगण पार्टनरशिप हिमालय ग्रेनाईट के पार्टनर है जिन्हे फर्म की और से समस्त कार्यवाही करने का ... अधिकार प्राप्त है तथा बहैसियत पार्टनर प्रार्थीगण द्वारा यह प्रार्थना पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया । प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजीयात में आने–जाने का रास्ता ख.न. .../434 436, जो कि अप्रार्थी स. 1 लगायत 17 के खातेदारी की आराजीयात है में से होकर जाता है। जो संलग्न नजरी नक्शे में सुर्ख लाल स्याही से दर्शित है। नजरी नक्शा प्रार्थना पत्र का अभिन्न अंग है। ... रास्ता

Signature Not Verified
Digitally signed by Vikas Pancholi
Date: 2022.01.14 11:18:38 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
केकडी (अजमेर)

Scanned with CamScanner

प्रार्थी की आराजीयात में आने – जाने का एक मात्र रास्ता है। जिसका उपयोग प्रार्थीगण व उनसे पूर्व खातेदार अस्मरणीय काल से करते चले आ रहे है। इसी रास्ते से होकर प्रार्थी अपनी खातेदारी पर आवागमन करता है। सुर्ख स्याही से वर्णित रास्ता मुख्य सडक को प्रार्थी की आराजी से जोडने वाला एक मात्र रास्ता है तथा इस रास्ते के अतिरिक्त प्रार्थी के पास अपनी आराजी में आवागमन का और कोई रास्ता उपलब्ध नहीं है। प्रार्थी को अपनी आराजी में आने जाने के लिये रिकॉर्डेड रास्ते की आवश्यकता है। प्रार्थी आराजी ख.न. 1220/434 व ख.न.436 में से होकर अपनी आराजीयात में आने जाने के उपयोग मेंलेते चले आ रहे है।लेकिन अप्रार्थीगण की नियत बद है वे बार– बार उक्त रास्ते में बाधा उत्पन्न करते है। जिसके चलते बार–बार विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। तथा प्रार्थी को अपनी आराजीयात के उपयोग उपभोग में कठिनाई आती है। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर ख.न. 1220/434 ,436 से होते हुये संलग्न नक्शे में सुर्ख स्याही से वर्णित मौके पर स्थित 20 फीट चौडा रास्ताा आने–जाने हेतु उपलब्ध करावे। जिस हेतु अप्रार्थी स. 18 को आदेश दिया जावें कि वे रास्ते को राजस्व रिकॉर्ड एंव जमाबन्दी में दर्ज कर नक्शा ट्रेस में अंकन करे।उक्त रास्ते हेतु खर्चा प्रार्थीगण अदा करने को तैयार है।

प्रकरण श्रवणाधिकार एंव क्षैत्राधिकार का होने से दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया । भू.अभि.निरी. जूनियां एंव पटवारी हल्का धुवालिया से जांच करवायी गयी। प्राप्त जांच रिपोर्ट अनुसार बताया कि ग्राम एकलसिहा के ख. न. 420, 423, 424, 429 किस्म गै.मु. पाल प्रीतम कुमार दीनोमल परवानी कोम सिंधी सांकिन अजमेर के नाम दर्ज रिकॉर्ड है। मोके पर ख.न. पर रास्ता बना हुआ है। तथा सभी खातेदार उसी रास्ते का ही उपयोग करते आ रहे है ख.न. 508, 509 किता 2 रकबा 0.33 है. कालू पुत्र मुकना ,रामनारायण , सुखदेव पुत्र उदा मांगी पुत्री उदा कोम बैरवा के नाम दर्ज रिकॉर्ड है। उक्त ख.न. से भी रास्ता बना हुआ है। रास्ता दर्ज कराने में सभी खातेदार सहमत है। मुताबिक राजस्व नक्शे में दर्शित लाल स्याही के मुताबिक रास्ता दर्ज करवाने में सभी खातेदार सहमत है। मौके पर किसी प्रकार की पाल निर्मित नहीं है। न ही किसी प्रकार का पानी भराव क्षैत्र है। ख.न. 509 में 7गुणा 16 बराबर 112 व.मी. ख.न. 508 में 52गुणा 7 बराबर 364 व.मी. भूमि , ख. न. 420 में 200 व. मी. भूमि ,ख.न. 423 में से 100 व.मी. 424 में से 100 व.मी. इस प्रकार कुल रास्ते में पडने वाली भूमि 876 व.मी. भूमि पडती है। ग्राम एकलसिंहा की डी.एल.सी. दर 245916 प्रति है. से उसके अनुसार 21540/–बनते है। जिसे डबल करने पर 43080/– रूप्ये राजकोष में जमा होने है। रास्ते में दर्ज होने वाली भूमि की रकम जमा हेतु प्रार्थी तैयार है। प्रकरण अब्दुल रहमान से प्रभावित नही है एंव आस–पास कोई वाटर बोडी नहीं है।

पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। पक्षकारान को सुना गया। प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने योग्य पाये जाने से स्वीकार किया जाता है । ग्राम एकलसिहां के ख.न. 509 में 7गुणा 16 बराबर 112 व.मी. ख.न. 508 में 52गुणा 7 बराबर 364 व.मी. भूमि , ख.न. 420 में 200 व. मी. भूमि , ख.न. 423 में से 100 व.मी.424 में से 100 व. मी. इस प्रकार कुल रास्ते में पडने वाली भूमि 876 व.मी. भूमि पडती है। उक्त प्रकरण अब्दुल रहमान से प्रभावित नही है एंव आस–पास कोई वाटर बोडी नहीं है।

ग्राम एकलसिंहा की डी.एल.सी. दर 245916 प्रति है. से उसके अनुसार 21540/– बनते है। जिसे डबल करने पर 43080/–रूप्ये(अक्षरे तैयालीस हजार अस्सी रूपये) राजकोष में जमा प्रार्थीगण द्वारा जमा करवाया जावे। तहसीलदार केकडी प्रार्थीगण द्वाराजमा करवायी गयी राशि अप्रार्थीगणो को भुगतान करें। तथा [illegible] गै.मु. रास्ते के रूप में दर्ज एंव तरमीम की कार्यवाही करें। खर्चा फरिकेन अपना–[illegible] करें। पत्रावली

आदेश मजमें आम प्रशासन [illegible] सुनाया गया।

Signature Not Verified
Digitally signed by Vikas Pancholi
Date: 2022.01.14 11:18:38 IST
Reason: SelfAttested

(विकास पचोली)
उपखण्ड अधिकारी
एंव शिविर प्रभारी केकडी,
केकडी (अजमेर)

Scanned with CamScanner